सुखकर्ता सुखकर्ता सुखकर्ता सुखकर्ता दुखहर्ता - श्री गणपति आरती

https://chalisa.online

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची|
नुरवी पूर्वी प्रेम कृपा जयाची| सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची|कंठी झरके माल मुक्ताफळाची||

१ ||जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती|दर्शनमात्रे मनकामना पुरती||रत्नखचित फरा तूज गौरीकुमरा|
चंदनाची उटी कुंकुमकेशरा|हिरे जडित मुकुट शोभतो बरा|रुणझुणती नुपुरे चरणी घागरिया||

2 ||लंबोदर पितांबर फनी वरवंदना|सरळ सोंड वक्रतुंड त्रिनयना|दास रामाचा वाट पाहे सदना|
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवंदना|जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती|दर्शनमात्रे मनकामना पुरती||

३ ||

www.chalisa.online